DATE :
PAGE NO. :

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:-09 दिनांक 15/07/2021

ZOOM0008 .WAV स्थान - जोधपुर

ट्रैक समयावधि 29 मिनट

कलाकार का नाम (सफी खां) गायन / वादन

पिता का नाम सुमार खां

पता - जोधपुर, बाम्देवनगर लंगा बस्ती, जोधपुर

सहायक कलाकार

1

2

3

ओडियो विडियो रिकॉडिंग का समय

विषय - कथा - भाई-चारा और दोस्ती

विशेष - विवरण

यह कथा-भाईचारे और दोस्ती का अलग-अलग मतलब समझाने के आधार पर आधारित है। ये कहानी एक जाट और राजपूत से शुरू होती है। जाट के चार लड़कियां होती है। और राजपूत के सात लड़के होते है। जाट बहुत गरीब होता है उसके पास धन नहीं होते है। राजपूत बहुत ही धनवान और जमीन का मालिक होता है। जाट के पास अपनी लड़कियां की शादी लिए पैसे भी नहीं होते है।

तो वह राजपूत उनकी चार बेटियों की शादी अपने पैसे लगाकार करवा देता है। वह जाट पर एहसान करता है। तो जाट केहता है कि ये तो भाईचारे की बात है आपके पास पैसे थे और आपने मेरी लड़कियों की शादी की, आपका बहुत बड़ा एहसान है मुझ पर। पर समय आने मे अगर आपको कभी मेरी जरूरत पड़ी तो मे एहसान का बदला एहसान से ही चुकाऊंगा। धीरे-धीरे काफी समय बीत जाता है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

समय परिवर्तन होता है। बरसात का मौसम आता है ये राजपूत भी अपनी खेती बाड़ी करता है। एक दिन अचानक उनके खेत मे सुरज सांड आ जाता है और राजपूत उसे पर वार करता है तो वह मर जाता है। और वह मरता हुआ उसे बद्दुआ देता है कि तुम कोड़ीये हो जाओगे। शाम को वह घर आता है और उसे मन ही मन बहुत दुःख होता है। अब धीरे-धीरे वह बीमार पड़ने लगता है।

जब उसके पुरे शरीर मे कोड होती है तो घरवाले भी परेशान हो जाते है। उस राजपूत का एक (हली) नोकर भी वहा होता है। थोड़े समय बाद इसके शरीर मे बदबू आने लगती है तो घरवाले इसे घर से दूर दूर खेत मे छोड़ के आ जाते है। अब वह नोकर ही उसे खाना-पानी देने जाता है और भाभक लगाकार आता है कुछ समय बाद वह जाट भी अपने घर आता है।

रात भर आराम करता है और सुबह वह राजपूत से मिलने उनके घर जाता है। तो वह देखता है कि वह घर पर नही होता है। वह उनके लड़को और उनकी पत्नी से पुछता है तो वही जवाब नहीं देते है तब वह जाट उनके नोकर से पुछता है तो वह सही-सही बताता है कि आपके भाई को तो बीमारी हो गई है। इसलिए उनको खेत मे छोड़ दिया है।

वह जाट उनके पीछे जाता है और उसे अपने घर लेकर आता है उनको देखभाल करता है। एक दिन वह किसी पचांयती पर निकलता है। और थोड़ा दुर चलने पर उसके दिमाग मे एक ख्याल आता है कि मे मेरे भाई को मेरी पत्नी के पास छोड़ के आ गया हूं। वो उसे कही घर से निकाल न दे वह वापस रवाना हो जाता है घर आता है तो देखता है कि उसकी पत्नी उसे घर से निकालने की तैयारी कर रही होती है। तब वह कहता है कि तुम मेरे और मेरे इस भाई के लिए आज का खाना बना दो।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

कल मैं इसे लेकर यहां से कहीं दूर ले जाऊंगा। सुबह होने पर वह जाट उस राजपूत को गंगा नहाने के लिए ले जाता है। तो आगे उनकी मुलाकात एक रिशी मुनी से होती है। वह रिशी मुनी (सुरज सांड) का अवतार बनकर वहां आता है जिसे पहले उस राजपूत ने अपने खेत में मारा था। वह मुनी बाबा उस जाट से केहता है की अगर तु अपने बेटे का खून अगर लाकर इसके शरीर पर सात बार फेरो तो यह ठीक हो सकता है।

तो वह जाट उस मुनि से केहता है। की मेरे बेटे के खून से तो यह ठीक हो जायेगा। मैं लेकर आता हूं वह कैसे भी करके अपने बेटे का खून लेकर आता है और उसके शरीर पर डालता है तो वह पेहले जैसा हो जाता है तब वह राजपूत जाट से केहता है कि मेरे पास तो सिर्फ धन था जो मैंने आपकी बेटियों की शादी में लगा दिया लेकिन तो आज तुमने मेरे लिए अपने बेटे का खून दिया। ऐसा शायद एक भाई भी न कर पाये।

तुमने मेरी जान बचाई मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा। फिर वह दोनों अपने अपने घर आते है और उस जाट का लड़का भी पहले जैसा होजाता है तब वह जाट केहता है कि आपने जो किया था वह तो भाई जारा था, और आज मैंने जो किया है वह मित्र है।